अमन-चैन की दुआ को उठे हजारों हाथ

ईद की नमाज के दौरान अमन चैन की दुआ मांगते बच्चे।

ईद-उल-फितर के मौके पर नमाज अदा करते मुस्लिम समुदाय के लोग।

ईद के मौके पर गले लगकर एक-दूसरे को बधाई देते लोग।

■ आपसी सौहार्द व भाईचारे का पैगाम देती है ईद : राज्यपाल ■ अकीदतमंदों को ईमानदारी व नेकी की राह पर चलने की दी सीख ■ चकराता रोड ईदगाह में सैकड़ों रोजेदारों ने अदा की नमाज

देहरादून (एसएनबी)। रमजान माह में रोजा रखने वाले खुदा के बंदों को सौगात में खुशियों की ईद मिली। रोजेदारों ने जामा मस्जिदों व ईदगाह में नमाज अदा कर मुल्क में अमन-चैन की दुआ मांगी। इस मौके पर मौलानाओं ने अपनी तकरीर में अकीदतमंदों को ईमानदारी व नेकी की राह पर चलने की सीख दी। महामहिम राज्यपाल डा. अजीज कुरैशी ने ईसी रोड स्थित मस्जिद में ईद की नमाज अदा कर आपसी भाईचारा व सौहार्द के लिए दुआ मांगी।

मंगलवार को शहर की अधिकतर मस्जिदों में बड़ी संख्या में रोजेदारों ने ईद की नमाज अदा की। अकीदतमंदों की सबसे ज्यादा भीड़ चकराता रोड प्रकाश विहार स्थित ईदगाह में रही। यहां शहर काजी मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी ने ईद की नमाज अदा कराई। उन्होंने रोजेदारों को ईमान के साथ जिंदगी बसर करने की सीख दी। साथ ही मुल्क में अमन चैन व शांति की दुआ मांगी। ईदगाह में सुबह सौहार्दपूर्ण माहौल में रोजेदारों ने दुआ पढ़ी। सुबह 10 बजे ईद की नमाज का समय रखा गया था। सुबह तकरीबन नौ बजे से ही ईदगाह में लोगों के आने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था। चकराता रोड पर रोजेदारों की सुविधा को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। इस रोड पर ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया था। नमाज के बाद रोजेदारों के चेहरों पर ईद की खुशी साफ देखी जा सकती थी। बड़ों के साथ छोटे बच्चे भी अभिभावकों के साथ ईदगाह पहुंचे। इत्र की खुश्बू के साथ सफेद कुर्ता पायजामा व सिर पर नमाजी टोपी पहने ये छोटे नमाजी सभी के आकर्षण का केन्द्र रहे। ईदगाह में नमाज अदा करने के बाद जैसे ही नमाजियों के बाहर आने का सिलसिला आरंभ हुआ चकराता रोड पर मेले जैसा नजारा नजर आने लगा। लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाइयां दी। साथ ही छोटे बच्चों को तोहफे में ईद की ईदी दी गई।

महामहिम राज्यपाल डा. अजीज कुरैशी ने ईसी रोड स्थित मस्जिद में ईद की नमाज अदा की। उन्होंने नमाज के बाद देश में अमन चैन व खुशहाली की दुआ मांगी। साथ ही कहा कि ईद खुशियों का पैगाम लेकर आती है। यह आपसी प्रेम व भाईचारे के साथ ही सौहार्द का संदेश देती है। इसके अलावा गांधी ग्राम मस्जिद, माजरा, धर्मपुर, रायपुर, अजबपुर सहित शहर की अधिकांश मस्जिदों में रोजेदारों ने ईद की नमाज अता कर दुआ मांगी।

ईद के मौके पर नमाज के दौरान निगहबानी करता जवान।

दो पीढ़ियों का मिलन : ईद के मौके पर बच्चे को गले लगाकर बधाई देता बुजुर्ग।

■ शहर की मस्जिदों में रही रोजेदारों की चहल-पहल

साम्प्रदायिक ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देने का किया आह्वाहन : एकता एवं जन कल्याण संस्था ने ईद के मौके पर संस्था के कैम्प कार्यालय में सभा का आयोजन किया। इस मौके पर साम्प्रदायिक ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देने का आह्वाहन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए संस्था के अध्यक्ष अशोक अनेजा ने कहा कि ईद एक ऐसा पर्व है जिसमें सब लोग एक दूसरे को आपस में गले मिलकर ईद की बधाई देकर सौहार्द कायम करते हैं। कुछ शरारती तत्व समाज में माहौल को बिगाड़ने के लिए सांप्रदायिकता फैलाकर देश में अशान्ति का माहौल उत्पन्न कर रहे हैं। उन्होंने नारी शक्ति, युवा शक्ति, छात्र शक्ति से एकजुटता के साथ साम्प्रदायिक ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देने का आह्वान किया। इस अवसर पर सुशील शर्मा, राजीव मित्तल, हरीश अरोड़ा, ओम सिंह कपूर, राजकुमार गुप्ता, राजेश बहल, सरीन सैफ, बबली देवी, सुमन जोशी, सुनीता देवी व अनीता अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

सौहार्द एवं सद्भावना सभी धर्मों का सार : साम्प्रदायिक सद्भाव समिति ने ईद के पर्व पर चकराता रोड स्थित टैगोर विला में स्टॉल लगाकर ईद की नमाज अदा कर लौटने वाले अकीदतमंदों को इलायची, सौंप व मिश्री वितरित की। समिति के संस्थापक अध्यक्ष विनोद कुमार गोयल ने बताया कि ईद के मौके पर समिति प्रतिवर्ष स्टॉल लगाकर रोजेदारों को ईद की बधाइयां देती है। समिति का उद्देश्य सौहार्द एवं सद्भावना को कायम रखना है। सौहार्द एवं सद्भावना सभी धर्मों का सार है। इस मौके पर रमेश चन्द्रा, एडवोकेट ओपी सकलानी, डा. आदर्श कुमार, इं. प्रदीप कुमार गोयल व प्रभात डंडरियाल सहित समिति से जुड़े अन्य लोग उपस्थित थे।

ईद मिलन समारोह का आयोजन : समाजवादी पार्टी विधानसभा राजपुर क्षेत्र की ओर से ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर पार्टी के सदस्यों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी तथा अमन चैन की दुआ मांगी।

इस मौके पर क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सईद अहमद ने कहा कि ईद आपसी भाईचारे का त्यौहार है। यह हमें एक दूसरे के साथ भाईचारे के साथ रहने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस मौके पर हमें देश में अमन चैन की प्रार्थना करनी चाहिए। इस मौके पर बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

इधर, नेताजी संघर्ष समिति के केन्द्रीय महासचिव आरिफ हुसैन वारसी के सेवलाकलां माजरा स्थित आवास पर ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोगों ने शिरकत की। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता विनोद बड़थ्वाल ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को ईद की बधाइयां दी। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अरविन्द गुप्ता, पूर्व विधायक रणजीत वर्मा व सुभाष पंवार सहित बड़ी संख्या में समिति से जुड़े लोग मौजूद रहे।

पंजीकरण में दिलचस्पी नहीं ले रहे प्राइवेट अस्पताल

देहरादून (एसएनबी)। प्राइवेट अस्पतालों, क्लीनिकों, पैथोलॉजी लैवों पर शिकंजा कसने के लिए बनाये गये क्लीनिकल इस्टेब्लिसमेंट एक्ट को लागू न करने के लिए प्राइवेट अस्पताल एड़ी चोटी का जोर लगाये हुए हैं। वह किसी न किसी तरह से इस एक्ट को लागू होने से टालने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए वह एक्ट के तहत पंजीकरण करने के निर्देश के बावजूद भी पंजीकरण नहीं करा रहे हैं। आलम यह है कि पंजीकरण के लिए निर्देश हुए एक हफ्ते से भी ज्यादा समय हो चुका है लेकिन अभी तक एक भी अस्पताल या क्लीनिक ने पंजीकरण नहीं कराया है। कुछ अस्पतालों ने सीएमओ ऑफिस पहुंचकर जानकारी जरूर ली है। सीएमओ डा. बीएस जंगपांगी ने कहा कि पंजीकरण के लिए एक महीने का समय दिया गया है। इसके बाद अगर किसी अस्पताल, क्लीनिक और लैब द्वारा पंजीकरण नहीं किया जाता तो ऐसे अस्पतालों के खिलाफ एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी जायेगी।

■ पंजीकरण के लिए निर्देश जारी होने के बावजूद अब तक एक भी नहीं आया आगे
■ केवल जानकारी लेने पहुंच रहे हैं सीएमओ दफ्तर

राजधानी के अधिकांश प्राइवेट अस्पतालों, क्लीनिकों, रेडियोलॉजी सेंटरों एवं पैथोलॉजी लैब पर तलवार लटक गई है। क्लीनिकल इस्टेब्लिसमेंट एक्ट के तहत अब सभी प्राइवेट अस्पतालों को संबंधित जिले के सीएमओ कार्यालय में पंजीकरण कराना होगा। एक्ट में पंजीकरण के लिए जो शर्तें रखी गई हैं उसे पूरा कर पाना सभी अस्पताल व सेंटरों को लिए मुश्किल है। पंजीकरण के लिए सीएमओ कार्यालय में मोटी फीस जमा करनी होगी। मानक पूरे होने पर ही सालभर में स्थाई पंजीकरण किया जायेगा। एक्ट में लागू सख्त प्रावधानों से प्राइवेट अस्पताल, नर्सिंग होम व सेंटरों के संचालक हुए हैं। इसलिए वह एक्ट को टालने के लिए एडी-चोटी का जोर लगाये हुए हैं। दून सीएमओ कार्यालय द्वारा लगभग एक सप्ताह पहले सभी अस्पतालों व सेंटरों को पत्र लिखकर एक्ट के अनुरूप एक महीने के अंदर पंजीकरण के निर्देश दिये गये हैं लेकिन अभी तक एक भी अस्पताल पंजीकरण के लिए आगे नहीं आया है।

सीएमओ डा. बीएस जंगपांगी ने इसकी पुष्टि की है। डा. जंगपांगी ने कहा कि सभी को एक महीने का समय दिया गया है। एक महीने के अंदर पंजीकरण करना है। इसके बाद अगर कोई पंजीकरण नहीं करता है तो एक्ट के मुताबित कार्रवाई शुरू कर दी जायेगी।

गंदगी के ढेर, बीमारियों का खतरा

देहरादून (एसएनबी)। छावनी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पटरी पर लौट नहीं रही है। छावनी क्षेत्र गढ़ी के अंतर्गत गढ़ी, डाकरा, नींबूवाला, पंडितवाड़ी आंशिक, प्रेमनगर आदि क्षेत्रों में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। बरसात के मौसम में जगह-जहग गंदगी की ढेर लगने से संक्रामक बीमारियां फैलने का डर बना हुआ है। नालियां चोक होने से बरसात का पानी सड़कों पर बह रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इसकी शिकायत कई बार छावनी परिषद के अधिकारियों से की जा चुकी है फिर हालात जस के तस बने हुए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि छावनी परिषद का रवैया ऐसा ही बना रहा तो आंदोलन किया जायेगा।

■ छावनी क्षेत्र गढ़ी में जगह-जगह लगे हुए हैं गंदगी के ढेर
■ सफाई व्यवस्था दुरस्त नहीं होने से क्षेत्रवासियों में रोष
■ कहा, छावनी परिषद के खिलाफ करेंगे आंदोलन

छावनी क्षेत्र गढ़ी में पचास हजार से अधिक की सिविलयन आबादी निवास करती है। गढ़ी-डाकरा से लेकर प्रेमनगर का एरिया छावनी के अंतर्गत आता है लेकिन इस क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का हाल बुरा है। सफाई कर्मियों की मनमानी छावनी क्षेत्र के लोगों पर भारी पड़ रही है। घर-घर से कूड़ा उठान हो या फिर मुख्य बाजार से लेकर गली-मुहल्लों में सफाई व्यवस्था की स्थिति सभी बदहाल है। क्षेत्र के रहने वाले रमेश चंद्र, दीवान सिंह बिष्ट, पीएस गोदियाल, केएस बिष्ट आदि का कहना है कि बरसात के मौसम में जगह-जहग गंदगी के ढेर लगने से बीमारियां फैलने का भय बना हुआ है। क्षेत्र की बदहाल स्थिति को लेकर कई मर्तबा छावनी परिषद के अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है लेकिन अभी तक व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की गई है। नालियां चोक होने से बरसात का पानी लोगों की दुकानों व घरों में घुस रहा है। घर-घर से जो कूड़ा उठाया भी जा रहा है उसको खुले स्थान पर डंप किया जा रहा है। इससे आसपास रह रही आबादी का जीना मुहाल हो रखा है।

दादी जानकी को सम्मान मिलने पर जतायी खुशी

देहरादून (एसएनबी)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी को लंदन की संसद में भारत गौरव लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। पश्चिमी देशों में भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना में योगदान देने पर उन्हें यह सम्मान दिया गया।

■ लंदन की संसद में मिला भारत गौरव लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड

मंगलवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय के सुभाषनगर स्थित सेवा केन्द्र में संस्थान से जुड़े लोगों ने दादी जानकी को अवार्ड मिलने पर खुशी का इजहार किया।

संस्थान के ब्रह्माकुमार सुशील ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका 99 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी 21 वर्ष की आयु में संस्था से जुड़ी तथा 1974 में विदेशों में भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए उन्होंने कार्य आरंभ किया। दादी जानकी ने 105 देशों का भ्रमण कर लोगों में आध्यात्मिकता की अलख जगायी तथा महिलाओं युवाओं तथा सभी वर्गों के लोगों में मूल्यों की स्थापना के लिए प्रयासरत रही। आज वह पूरे विश्व के 140 देशों में फैले संस्थान का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य कारणों के चलते दादी जानकी अवार्ड लेने स्वयं नहीं जा सकीं। उनकी ओर से ब्रह्माकुमारीज संस्थान के यूरोपिया सेवा केन्द्रों की प्रभारी बीके जयंती ने सम्मान ग्रहण किया।

दादी जानकी को भारत गौरव लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड दिये जाने से संस्थान के देहरादून सेवा केन्द्र से जुड़े सभी लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षक आमरण अनशन पर

■ समय रहते मांगें पूरी नहीं हुई तो किया जाएगा उग्र आंदोलन

देहरादून (एसएनबी)। पांच सूत्री मांगों के निदान को लेकर उत्तराखंड पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षक सोसायटी ने सरकार के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरने के सातवें दिन आमरण अनशन शुरू कर दिया है। संविदा शिक्षकों ने दो टूक शब्दों में कहा कि समय रहते उनकी मांगें नहीं मानी गयी तो आंदोलन तेज कर दिया जाएगा।

मंगलवार को हिंदी भवन के समक्ष संविदा कर्मियों की बैठक में आरमण अनशन शुरू करने का निर्णय किया गया। इसके बाद संविदा शिक्षक अनशन पर बैठ गये। संविदा शिक्षकों ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं की जाती आंदोलन जारी रहेगा। संविदा शिक्षकों ने कहा कि पिछले लंबे समय से उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है जबकि सरकार द्वारा पूर्व में आश्वासन दिया गया था कि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई की जाएगी। संविदा शिक्षकों ने कहा कि उनका मानदेय 35 हजार एवं संविदा कार्यशाला अनुदेशक प्रोग्रामर का मानदेय 25 हजार रुपये किया जाना चाहिए। इसके साथ ही 412 पदो को आयोग की परिधि से बाहर करना चाहिए।

आमरण अनशन पर बैठे संविदा पॉलीटेक्निक शिक्षक।

आमरण अनशन पर बैठने वालों में जगदीश सिंह नेगी, संदीप धुनियाल, मनीष भटट, पूनम रावत एवं दिव्या नेगी शमिल है। इस मौके पर सोसायटी के अध्यक्ष सर्वेश चौधरी, नंद किशोर सती, नरेश पाठक, खगेन्द्र अवस्थी, वेता, दीपक, संदीप, सिमरन बडवाल, कविता भंडारी, अरूण कुमार, नमिता तिवारी, पंकज डागर, रितुराज गडिया, सुमित , पूरन सिंह राणा, महेश पाल, सुमित कुमार, वेता, पूनम रावत, दिशा नेगी, शीतल, महेश कुमार, सुभाष पाल, महेश भटट आदि मौजूद थे।

आज न जाएं कलेक्ट्रेट नहीं मिलेंगे बाबू

देहरादून (एसएनबी)। अगर बुधवार को आप कलेक्ट्रेट जा रहे हैं, तो मत जाएं। तीन दिन तक कलेक्ट्रेट में कामकाज पूरी तरह ठप रहेगा। बुधवार से कलेक्ट्रेट कर्मी जिलाधिकारी द्वारा लागू स्टाफिंग पैर्टन के विरोध में तीन दिवसीय कार्यबहिष्कार पर रहेंगे। इतना ही नहीं यदि इस व्यवस्था को वापस नहीं लिया जाता है, तो आंदोलन की अगली रणनीति भी तय होगी।

■ स्टाफिंग पैर्टन के विरोध में कलेक्ट्रेट कर्मी तीन दिवसीय कार्यबहिष्कार पर
■ मुख्य राजस्व आयुक्त खारिज कर चुके हैं डीएम द्वारा लागू पैटर्न को

उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी चंद्रेश कुमार यादव ने कलेक्ट्रेट में सालों से एक ही जगह जमे कर्मचारियों की हाल ही में अदला-बदली की थी जिसमें कुछ महत्वपूर्ण पटलों पर सालों से जमे बाबूओं को बदला गया था। यह सभी तबादले स्टाफिंग पैर्टन के आधार पर किये गये, जबकि कर्मचारी इसका हमेशा विरोध करते रहे हैं। जिलाधिकारी के इस पैर्टन को मुख्य राजस्व आयुक्त ने सिरे से खारिज कर दिया है। जिससे कर्मचारी खासे खुश हुए और पुरानी व्यवस्था के मुताबिक ही अपने पदों पर जमे रहे लेकिन जिलाधिकारी ने फिर मुख्य राजस्व आयुक्त को पत्र लिखकर स्टाफिंग पैर्टन पर पुनर्विचार करने को कहा है। साथ ही कर्मचारियों को भी नये पैटर्न के मुताबिक हुए फेरबदल के बाद अपना-अपना कार्यभार ग्रहण करने के कड़े निर्देश दिये हैं। जिसके बाद से कलेक्ट्रेट कर्मी विरोध के मूड में हैं। ऐसे में कलेक्ट्रेट कर्मियों की हड़ताल के चलते लोगों को तीन दिन तक खासी परेशानी का सामना करना पड़ेगा और उनका कोई काम नहीं होगा। वहीं पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत कल (आज) से सभी कलेक्ट्रेट कर्मी कंबाइंड कार्यालय परिसर पर कार्य से विरक्त होकर धरना देंगे। साथ ही यदि जिलाधिकारी द्वारा लागू व्यवस्था को वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन की अगली रणनीति तय की जायेगी।